मार्गदर्शन में प्रमाण पत्र (सी.आई.जी.)
सत्रीय कार्य
जनवरी तथा जुलाई 2025

एन.ई.एस.– 101 : प्राथमिक विद्यालय का बालक : एक अध्ययन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. बच्चों में गत्यात्मक विकास और कौशल विकास के बीच संबंध पर चर्चा कीजिए।

2. बाल विकास को प्रभावित करने वाले वंशानुगत और पर्यावरणीय कारकों की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

3. विद्यालयों में विभिन्न मार्गदर्शन सेवाओं का वर्णन कीजिए।

एन.ई.एस.– 102 : संवृद्धि तथा विकास को सुगम बनाना

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. प्रतिभाशीलता की अवधारणा को समझाइये। प्रतिभाशीलता को बढ़ावा देने में माता–पिता और शिक्षकों की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

2. एक सुगठित व्यक्तित्व की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। एक शिक्षक को बच्चे के एकीकृत व्यक्तित्व के विकास के लिए क्या उपाय अपनाने चाहिए?

3. माता–पिता बच्चों के साथ व्यवहार करते समय कौन–सी विभिन्न संचार शैलियाँ अपनाते हैं? बच्चों को अधिक प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए कैसे प्रोत्साहित किया जा सकता है?

एन.ई.एस.– 103 : बच्चों के अधिगम के लिए मार्गदर्शन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. बच्चों में अनअवधानता के क्या कारण हैं? बच्चों में अवधानता को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियाँ सुझाएँ।

2. अधिगम की अक्षमता क्या है? बच्चों में अधिगम की अक्षमताओं का आकलन करने की प्रक्रिया का वर्णन करें?

3. बच्चों में पढ़ने का कौशल कैसे विकसित किया जा सकता है? उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा करें।

एन.ई.एस.– 104 : बच्चों के सामाजिक–संवेगात्मक विकास में मार्गदर्शन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. बच्चों के विकास में बाधा डालने वाले सामाजिक–सांस्कृतिक कारकों पर चर्चा कीजिए।

2. उत्तर बाल्यावस्था की विकास संबंधी आवश्यकताओं और शिक्षक के लिए इसके निहितार्थों पर चर्चा कीजिए।

3. संवेदात्मक रूप से परेशान बच्चों की मदद के लिए संगीत, नृत्य और कला का उपयोग चिकित्सा के रूप में कैसे किया जा सकता है?